अभियंताओं को व्यावसायिक रूप से मजबूत बनाने के टिप्स दिए जाएंगे, उनमें उत्साह भरने का प्रयास किया जाएगा ताकि दबाव में भी शांतचित्त होकर काम कर सकें

आईआईएम राज्य के बिजली इंजीनियरों को सिखाएगा प्रबंधन कौशल का गुर

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

आईआईएम रांची के प्रोफेसर झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के अभियंताओं को प्रबंधन कौशल के गुर सिखाएंगे। एक कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी होने के नाते उन्हें उत्साह के साथ नई चुनौतियों में शत प्रतिशत उपभोक्ता संतुष्टि के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

पहले चरण में मुख्यालय के 25 अभियंताओं को तीन दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रबंध की पढ़ाई में प्रेरणा का सिद्धांत पढ़ाया जाता है। इसमें बताया जाता है कि अच्छा प्रबंधक किसी का समय, कौशल और गतिशीलता खरीद सकता है। लेकिन, किसी का उत्साह नहीं खरीद सकता। काम का अच्छा परिणाम उत्साह से ही आता है। अच्छा प्रबंधक वही होता है जो अपने मातहतों से उत्साह के साथ काम कराता है। ऐसे ही प्रबंधकीय गुणों से जेबीवीएनएल के 25 अभियंताओं को रू-ब-रू कराया जाएगा। जल्द ही जेबीवीएनएल पूरी तरह एक कंपनी के तौर पर काम करने लगेगा। उपभोक्ताओं को लगभग लागत की दर बिजली पर बेची जाएगी। सरकार आवश्यकतानुसार उपभोक्ताओं को सीधे अनुदान देगी। इस स्थिति में जेबीवीएनएल के अभियंताओं को कॉरपोरेट संस्कृति अपनानी होगी। ताकि उपभोक्ताओं की शिकायतें एक बेहतर माहौल में दूर कर उन्हें शत प्रतिशत संतुष्ट रखा जा सके।

प्रशिक्षण का यह उद्देश्य भी होगा कि विभाग के अभियंता निगम के प्रति जवाबदेह बने। कंपनी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के साथ सौ प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि की मानसिकता से काम करें।

नए उपभोक्ता, नई चुनौतियां

- जेबीवीएनएल को सालाना होने वाला घाटा (रिसोर्स गैप) करीब 2400 करोड़ रुपये सरकार नहीं देगी
- अभियंताओं को सौ प्रतिशत बिलिंग के साथ शत प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित करनी होगी
- राज्य में उपभोक्ताओं की संख्या 30 लाख से बढ़ कर 45 लाख से अधिक हो जाएगी
- मार्च 2019 से 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी
- उपभोक्ताओं की ओर से हर प्लेटफार्म से मिलने वाली शिकायतों को दूर करने के लिए तत्पर रहना होगा
- नई चुनौतियों को संयम और उत्साह के साथ दूर करने के लिए मोटिवेशन जरूरी है

Hindustan, 22.02.2018, Pg. 19